अध्यक्ष महोदय : वे सब के हैं, किसी एक सेक्शन के नहीं ।

श्री मनीराम बागड़ी : आप यह बताइए कि इस तरीके से अगर किसी एक राष्ट्रीय आदमी के बारे में चर्चा हो, तो इस तरह की गैर-जिम्मेदारी की बात होती है । जब भी चौ० छोटू राम का जिक्र चलता है...

अध्यक्ष महोदय : गैर-जिम्मेदारी तो रही नहीं । राष्ट्रपति जो जा रहे हैं ।

श्री मनीराम बागड़ी : उन के नाम का टिकट क्यों जारी नहीं हो रहा है ?

अध्यक्ष महोदय : अभी बहुत सारे लोगों के बाकी हैं ।

श्री मनीराम बागड़ी : 25 तारीख से पहले डाक टिकट जारी नहीं होता है, तो आप कहिए कि यह जारी होगा ।...

(**व्यवधान**)...

अध्यक्ष महोदय : मैं कैसे कह सकता हूं ।

श्री मनीराम बागड़ी : चौ० छोटू राम की जब बात होती है ...

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए इस में सब की सहानुभूति आप के साथ है । सारे सदन की सहानुभूति आप के साथ है और कोई आदमी इस में आप से मतभेद नहीं रखता है ।

क्वेश्चन नं० 267, श्री टी० कोशलराम

नेक्स्ट क्वेश्चन, श्री रामावतार शास्त्री ।

रेल समितियों के सदस्यों को स्थायी रेल कार्ड तथा चेक पासों का जारी किया जाना

***268. श्री रामावतार शास्त्री** : क्या रेल मंत्री निम्नलिखित जानकारी दर्शाने वाला विवरण सभा पटल पर रखने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विभिन्न रेल समितियों के सदस्यों को स्थाई रेल कार्ड पास जारी किये गये हैं :

(ख) यदि हां, तो इन समितियों तथा इनके सदस्यों का ब्यौरा क्या है ;

(ग) इन व्यक्तियों को स्थाई पास जारी करने के क्या कारण हैं ;

(घ) क्या यह सच है कि रेलवे में चैक पास जारी करने की भी व्यवस्था है; और

(ङ) यदि हां, तो चैक पासों के जारी किए जाने के मानदण्ड क्या हैं तथा पिछले छः महीनों के दौरान किन-किन व्यक्तियों को ऐसे चैक पास जारी किए गए हैं ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRIES OF RAILWAYS AND EDUCATION AND SOCIAL WELFARE AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) to (e). A statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) Members of Committees have been issued Complimentary Card passes for a period not exceeding one year.

(b) A list of the Committee and names of their members is attached. (ANNEXURE I) [Placed in Library. See No. LT-3066/81].

(c) By virtue of being members of the Committees associated with Railway working and appointed by the Railway Ministry.

(d) Yes.

(e) The complimentary passes are issued with the personal approval of Minister for Railways keeping in view the following broad guidelines:—

(i) Institutions and Organisations devoted to social, cultural, scientific, literary, sports and educational activities and whose work is of an all India character.

(ii) Organisations devoted to the Welfare of Scheduled Castes, Scheduled Tribes, backward and neglected sections, wormen blind and handicapped persons etc.

(iii) Eminent persons engaged in work of national importance for which they are required to undertake frequent journeys.

A statement showing the names of persons who have been issued complimentary cheque passes from 1st June, 1981 to 30th November 1981 is attached. (ANNEXURE II) [Placed in Library, *See No. LT-3066181*].

श्री रामावतार शास्त्री : अध्यक्ष जी, यह बड़ा ही दिलचस्प सवाल है ।

अध्यक्ष महोदय : आप आदमी दिलचस्प हैं, शास्त्री जी ।

श्री रामावतार शास्त्री : मंत्री जी ने बड़ी दिलचस्पी के साथ पासों का बटवारा किया है । अध्यक्ष जी, इन्होंने रेलवे से सम्बन्धित 7 समितियों के सदस्यों को पास दिये हैं । तो इस के सम्बन्ध में मुझे यह पूछना है कि इन कमेटियों की बैठक साल में कितनी बार होती हैं ? पूरे एक साल में एक-दो बार बैठकें होती होंगी लेकिन उन को पूरे एक साल के लिए पास दिया गया है । इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि पूरे साल के लिए पास दे कर रेलवे के कोष को क्षति पहुंचाने का क्या औचित्य है ?

श्री मल्लिकार्जुन : माननीय सदस्य शास्त्री जी ने जो कमेटियों का नाम लिया है ....

श्री रामावतार शास्त्री : जो मैंने पूछा है, उस का ही जवाब दीजिए ।

श्री मल्लिकार्जुन : आप जरा सबर कीजिए, मैं जवाब दे रहा हूं । इन कमेटीज के कुछ कर्तव्य हैं, उन कर्त्तव्यों का पालन करने के लिए मेम्बर जो हैं, वे पूरी रेलवेज में घूमते हैं । लोग उन से मिलते हैं, पैसेन्जर्स की ग्रीवान्सेज क्या हैं, डिफेक्ट्स क्या हैं, इन सारी चीजों को ये देखते हैं । कमेटीज की मीटिंग रोज तो हो नहीं सकती । साल में दो बार, तीन बार मीटिंग होती है मगर कमेटीज के जो मेम्बर हैं, उन को जाना पड़ता है । य वालंट्री आर्गेनाइजेशन्स हैं और जब उन को समय मिलता है तब वे जाते हैं ।

अध्यक्ष महोदय : कहीं घर ही न बना लें गाड़ी में शास्त्री जी की मंशा यह है ।

श्री रामावतार शास्त्री : नहीं, ऐसी बात नहीं है । ज्यादातर कमेटी के सदस्य घूमते नहीं हैं ।

प्रो० मधु दंडवते : हमने बन्द कर दिये थे ।

श्री रामावतार शास्त्री : मैं जानता हूं । आप इजाजत दें, तो मैं नाम पढ़ दूं कि कौन कमेटी किस की है, इस से आप अन्दाजा लगा लेंगे ।

एक माननीय सदस्य : आप नाम पढ़िये ।

श्री रामावतार शास्त्री : 1 राष्ट्रीय खानपान परामर्श परिषद् 21 मेम्बर

2 कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति
29 मेम्बर

3 यात्री सुविधा समिति
26 मेम्बर

4 स्थाई स्वैच्छिक सहायता समिति
31 मेम्बर

5 रेलवे हिन्दी सलाहकार समिति
31 मेम्बर

रेलवे हिन्दी शब्दावली समिति 11 मेम्बर और रेलवे हिन्दी पुस्तक चयन समिति 7 मेबर । कुल 156 मेम्बर ।

यह जाहिर है कि इन समितियों का रोजाना का काम नहीं है । आपने मेरे प्रश्न का ठीक से जवाब नहीं दिया । मैंने पूछा था कि इनकी साल में कितनी बैठकें हुई ? क्या इन समितियों के मेम्बरों के रोजाना घूमने की जरूरत है या नहीं है ?

अध्यक्ष महोदय : वे तो ज्ञानार्जन करते हैं ।

श्री रामावतार शास्त्री : इन लोगों को पास दे कर, रेलवे की राशि को बर्बाद करने का अधिकार आपको किसने दिया है ?

रेल मंत्री (श्री केदार पांडे) : नेशनल लेवल पर सात कमेटियां हैं । उनकी बैठकें भी होती हैं । वे सब जगह जा कर पता भी लगाते हैं कि उनके जुरीडिक्शन में कहां क्या कमी है, कहां क्या खराबी है और उसको कैसे दूर करें । ये जो कमेटियां बनी हैं इसके टोटल मेम्बर 156 हैं जिन्हें फर्स्ट क्लास पास दिये गये हैं । यह इतना बड़ा देश है, यहां डेमोक्रेसी है । यहां सोशल वर्कर्स लोग हैं जो सोशल काम करने वाले हैं इसलिए इन 156 आदमियों को पास दिये गये हैं । इन कमेटियों की बैठकें भी होती हैं । किसी की बैठक जल्दी होती हैं किसी में देर में भी होती है । लेकिन यह एक ऐसा काम है जिसमें शिकायत की कोई बात नहीं हैं ।

श्री रामावतार शास्त्री : आप ने कुछ मानार्थ चेक पास इशु किये हैं जिनके मानदण्ड की भी चर्चा आपने की है । आपने प्रथम श्रेणी के 149 और द्वितीय श्रेणी के 311 चेक पास इशु किये हैं । एक एक के पास 14 आदमियों तक के हैं । कुल मिला लिया जाए तो एक हजार से कम व्यक्तियों को चेक पास इशू नहीं हुए होंगे । मैं यह जानना चाहता हूं कि ये चेक पास इशु करने की आवश्यकता क्यों पड़ी और ये चेक पास कितने दिनों के लिए इशु किये जाते हैं ? कितनी जर्नी के लिए, अर्थात् कितने समय की जर्नी के लिए इशु किये जाते हैं । आपने जो मानदण्ड रखा है उसको ध्यान में रखते हुए क्या इन 460 लोगों की, जिनको कि ये चेक पास दिये गये है, जांच करवायेंगे जिससे कि यह पता चल सके कि सचमुच में मानदण्ड के मुताबिक सही लोगों को पास दिये गये हैं, गलत लोगों की नहीं दिये गये हैं ?

श्री मल्लिकार्जुन : चेक पास एक सिंगल जर्नी के वास्ते है जिसका मेक्सिमम पीरियड तीन महीने तक हैं । वह तीन महीने तक वेलिड रहता है । इसमें मिनिस्टर का डिस्क्रिशन होता है । कुछ लोग ऐसे होते हैं जो कि हेल्पलेस हो जाते हैं और उन्हें अपने जन्म स्थान जाना होता हैं । उनको चेक पास मिनिस्टर की डिस्क्रिशन से इशू होते हैं । यह परमिट नहीं है । यह एक सिंगल जर्नी के लिए होता है । अगर किसी को पटना जाने के लिए यह इशू किया गया है तो वह पटना जाने के बाद इन्वेलिड हो जाता है । वह एक जर्नी का पास होता है । उसका मेक्सिमम पीरियड तीन महीने तक रहता

है । अगर किसी को दिया भी है तो वह तीन महीने से बढ़ कर वेलिड नहीं रहता है । कभी-कभी रिटर्न जर्नी का भी हो सकता है । किसी को दिया होगा । इसमें इस बात की ऐसी कोई जरूरत नहीं है कि इन्वेस्टीगेशन करा कर फिर सरकार का पैसा बर्बाद करा दें ।

SHRI RAMAVATAR SHASTRI: You are using the discretion.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI C. K JAFFER SHARIEF): That is your opinion.

श्री डी० पी० यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो सो-डेढ़ सौ कम्-लीमेंट्री पास इशू किए हैं, अगर ये राष्ट्र-हित में हैं तो मैं इसको इतना बड़ा गुनाह नहीं समझता । पास इशू करने के लिए जो क्राइटेरिया है उसमें बताया गया है कि एजूकेशनल एक्टीविटीज के लिए जो संस्थाएं काम कर रही हैं, उनको भी आप पास देते है। "आल इण्डिया प्राइमरी टीचर्स फेडरेशन" जिसकी सदस्य संख्या करीब 17–18 लाख है और इस संस्था को पिछले 7–8 वर्ष से रेलवे पास दिए जाते थे ।

श्री केदार पांडे : संगठन है कोई ?

श्री डी० पी० यादव : जी हां संगठन है । इनको पास देने के बारे में क्या पुनर्विचार किया जाएगा ?

श्री केदार पांडे : एक बार हम लोगों ने काफी पासेस इशू कर दिए तो इस प्रकार की रयूमर फैली कि इतने पासेस फर्स्ट-क्लास के मिल गए हैं तो हमने सब कैंसिल कर दिए और अभी तक केवल 3 पासेस दिए हैं । अब आप कहते हैं कि और दीजिए तो हम चक्कर पड़ जाते हैं । देते हैं तो मुसीबत नहीं । ते हैं तो आप कहते हैं कि एजूकेशनल संगठन है । फिर भी हम विचार करेंगे । अगर यह ऐसा संगठन है जिसकी देश में प्रेस्टिज है तो जरूर पास दिए जाएंगे ।

श्री विलास मुत्तेमवार : क्या यह सच है कि खिलाड़ियों को दिए जाने वाले कंसेशन पास बन्द कर दिए गए हैं । इसका क्या कारण है । क्या खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए इस पर पुनर्विचार किया जाएगा ?

श्री माधव राव सिंधिया : स्पोर्ट्समैन को कंसेशन मिलना चाहिए ।

श्री केदार पांडे : आप लोगों ने प्वाइंट आउट किया है । हम इस पर विचार करेंगे ।

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष महोदय, हम लोग मुख्य मंत्री के बारे में कुछ नहीं कहना चाहते । जो पासेसस इशू किए गये हैं, उनको अगर आप देखेंगे तो पता लगेगा कि इसमें एक जाति के लोगों को प्राथमिकता दी गई है । मैं नाम पढ़ कर सुना सकता हूं । यह प्रजातंत्र के लिए खतरनाक चीज है । जिन लोगों को पास इशू किए गए हैं, उनमें कुछ स्मगलर टाइप के लोग भी हैं । जो क्राइटेरिया यहां दिया गया है, उसका कहीं पालन नहीं किया गया है । इस सम्बन्ध में श्री मधु दण्डवते जी ने एक आदेश जारी किया था कि "जिस व्यक्ति को किसी कमेटी में नियुक्त किया जाएगा, उसको उतने ही पीरियड तक पास इशू किया जाएगा, जितने पीरियड में उसको कमेटी की बैठकों में जाना-आना हो" । परमानेन्ट पास नही दिया जाता था । उसका पालन क्यों नहीं हो रहा है ।

इसके अलावा इन्होंने अपने जवाब में कहा है कि "वे संगठन जो अनुसूचित

अनुसूचित जनजाति, पीड़ित और उपेक्षित वर्ग, अंधे, विकलांग व्यक्तियों के कल्याण में लगे हैं, उन लोगों को पास दिए जाते हैं। मैं जानना चाहता हूं कि ऐसे कितने लोगों को पास दिए गए हैं।

श्री केदार पांडे : अब सारी चीज तो याद नहीं है।

SHRI C. K. JAFFER SHARIEF: Passes are not issued on any considerations of caste or creed or any such thing. Pases are given to all such associations wherever this was felt necessary.

(Interruptions)

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष महोदय, इस के लिए आप एक पार्लियामेंट की कमेटी बनाइये, जिस में दोनों पक्ष के लोगों को रखिये। यह कोई साधारण बात नहीं है। देश का करोड़ों रुपया प्रति वर्ष अपव्यय होता है। **(व्यवधान)** जो लोग टिकट ले कर आते हैं, उन को बठने की जगह नहीं मिलती और ये पास वाले बैठे रहते हैं।

श्री केदार पांडे : 156 आदमियों को पास दिये हैं। कमेटी के जो मेंबर्स हैं, अगर आप उन के बारे में कहते हैं। . . . .

श्री राम विलास पासवान : हम दोनों के बारे में कहते है

श्री केदार पांडे : मैं आप की बात को चेलेंज करता हूं कि इस तरह की चीज नहीं है कि मजहब के आधार पर पास दिए गए हैं। कमेटी के मेम्बर्स हैं, इसलिए दिए हैं। उसके बारे में आप हम को डिमारेलाइज नहीं कर सकते हैं।

श्री राम विलास पासवान : मैं ने प्रश्न पूछा था कि एक ही जाति के लोगो को क्यों दिए गए हैं और शड्यूल्ड कास्ट और ट्राइब्स के लोग है उन को क्यों नहीं दिए गए हैं।

श्री केदार पांडे : मैं आप की बात को चेलेंज करता हूं कि एक ही जाति के लोगों को दिए गए हैं। यह गलत बात है।

श्री राम विलास पासवान : मैं चेलेंज करता हूं यह बात गलत है। मैं पढ़ कर सुना देता हूं।

अध्यक्ष महोदय : आप इन से बात करके फिर बताइये।

श्री राम विलास पासवान : क्या गलत है इस का फैसला कौन करेगा, कौन गलत है इसका फैसला कौन करेगा, हाउस करेगा या आप करेंगे।

अध्यक्ष महोदय : बात कर के करेंगे।

श्री राम विलास पासवान : मैं इन को चेलेंज करता हूं। यदि एक जाति के लोगों को प्राथमिकता नहीं दी गई है तो मैं इस्तीफा दे दूंगा।

श्री केदार पांडे : आप ने किसी हरिजन, आदिवासी का नाम सजेस्ट किया है ?

श्री राम विलास पासवान: मैं क्या करूंगा ? आप को करना चाहिए यह काम।

श्री केदार पांडे : और जातियों के लोग हैं। सब तरह के हैं। बहुत से नाम हैं।

SHRI C. K. JAFFAR SHARIEF: Passes are not issued based on caste.

श्री राम विलास पासवान: इस पर आधे घंटे की चर्चा होनी चाहिये।

अध्यक्ष महोदय : हाफ एन आवर डिसकशन ले लें।

SHRI SATISH AGARWAL: Sir, I want to put one very small question in this connection.

MR. SPEAKER: I have allowed half-an-hour discussion on this.

SHRI SATISH AGARWAL: So, we are not supposed to put questions. But you have agreed to half-an-hour discussion on this subject.

(*Interruptions*)

SHRI K. LAKKAPPA: Sir, there is nothing wrong in issuing passes to various committees' representatives. I know that the Opposition is making political capital out of it (*Interruptions*).

श्री अटल बिहारी बाजपेयी : यह भाई भतीजावाद का मामला है । आध घंटे में कैसे तय होगा ? मैंने लिस्ट देखी नहीं है लेकिन मुझे बताया गया है कि उस में 31 पांडे हैं ।

श्री राम विलास पासवान : 305 में 101 पांडे हैं ।

SHRI K. LAKKAPPA: Sir, you called my name for putting supplementary.

MR. SPEAKER: You give notice and you also take part in that.

SHRI K. LAKKAPPA: You called my name to put supplementary. In the meanwhile you have yielded to the Members sitting on the other side for half-an-hour discussion. Because you called my name, apart from allowing half-an-hour discussion, I may be permitted to put my supplementary. Now, I would like to ask the hon. Railway Minister whether the would see that the Committees for which railway concession is given are strengthened with powers to oversee and remove the bureaucratic delay in the administration so that the Committees may function more effectively.

मंदार हिल-वैद्यनाथ धाम देवघर लाइन

269. श्री समीनुद्दीन : क्या रेल मंत्री बिहार में रेल लाइन के बारे में 7 अगस्त, 1980 के अतारांकित प्रश्न संख्या 7284 के उत्तर के संबंध में यह जिस में यह कहा गया था कि 11 करोड़ रुपयों की लागत की मंदार हिल-वैद्यनाथ धाम 55 किलोमीटर लम्बी लाइन का सर्वेक्षण पूरा हो गया है, यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि यदि इसे वैद्यनाथ धाम देवघर तक बढ़ा दिया जाये तो इस लाइन से भागलपुर और संथाल परगना से कलकत्ता और जमशेदपुर जाने वाले यात्रियों को यात्रा की सुविधा मिलेगी;

(ख) क्या यह सच है कि उपर्युक्त उत्तर के पश्चात् इस संबंध में कोई प्रगति नहीं हुई है; और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार आगामी वित्तीय वर्ष में इस संबंध में कार्यवाही करने का है ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRIES OF RAILWAYS AND EDUCATION AND SOCIAL WELFARE AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN): (a) Yes, Sir.

(b) A Preliminary Engineering-cum-Traffic Survey for laying a B.G. rail link between Mandar Hill and Baidyanath Dham station has been carried out and the survey report is at present under examination.

(c) A final decision on the project will be taken after the survey report has been examined from all angles keeping in view its financial viability and availability of funds under Railways' plan for construction of new lines. This will also require clearance of the Planning Commission.

श्री समीनुद्दीन : अध्यक्ष महोदय, 7 अगस्त, 1980 को सवाल नम्बर 7281 के जवाब में यह कहा गया था कि इसका सर्वे कम्पलीट हो चुका है और इस पर 11 करोड़ रु० की लागत आयेगी । मैं यह जानना